# चौथा अध्याय

# सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली : एक विश्लेषण

## ४.१ सूचना प्रौद्योगिकी

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग माना जाता है । हमारे सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व परिवर्तन दिखाई दे रहा है । इस बदलाव का कारण सूचना प्रौद्योगिकी है । जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव पड रहा है । हर क्षेत्र में उसका हस्ताक्षेप दिखाई दे रहा है । सूचना क्रांति के इस सार्वभौमिक संवृत्ति से देश अपनी प्रगति के बल पर है । सूचना प्रौद्योगिकी, वह निरन्तर विकास के पथ पर अग्रसर है । मानव जीवन के हर क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

सूचना को अंग्रेज़ी के 'Information' शब्द का हिन्दी रूपान्तरण मानते हैं । हिन्दी पर्याय के रूप में सूचना के लिए जानकारी, ज्ञान, खबर, इतला आदि शब्द प्रचलित है । लेकिन इसका शाब्दिक अर्थ है – अवगत या सूचित करना । प्रौद्योगिकी शब्द व्यावहारिक ज्ञान है । इन्साइक्लोपीडिया अमेरिका में कहा है – "Technology refers to the way of making or doing things." 'प्रौद्योगिकी' अंग्रेज़ी के बहुप्रचलित शब्द 'Technology' का हिन्दी रूपान्तर है । सूचना प्रौद्योगिकी या Information का लघु नाम या रूप है आई. टी. । यह शब्द बहुत प्रचलित है ।

### ४.१.१ सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप

सूचना प्रौद्योगिकी बिलकुल अद्यतन वैज्ञानिक शाखा है । कंप्यूटर के आविष्कार

के पहले इलक्ट्रोनिकी का विकास एवं प्रचार हो चुका था । कंप्यूटर तथा सज्जन्य सुविधाओं के साथ इलक्ट्रोनिकी का योग संचार जगत में एक अभूतपूर्व क्रान्ति पैदा कर दी । दोनों के सम्यक सहयोग से सूचना प्रौद्योगिकी नामक वैज्ञानिक शाखा का विकास हुआ । सूचनाओं का आदान-प्रदान पुराने ज़माने से ही होता आ रहा है । लेकिन आज सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के कारण प्रस्तुत आदान-प्रदान अत्यन्त त्वरित गति से होने लगा है । वह संपूर्ण मानव जीवन को बेहद प्रभावित किया है । जन जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र है ही नहीं। जहाँ किसी किसी रूप में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव न पडा था ।

### ४.१.१.१ सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ

सूचना प्रौद्योगिकी अंग्रेज़ी के बहुप्रचलित शब्द Information Technology है । प्रौद्योगिकी शब्द मुख्य रूप से दो संदर्भों में प्रयोग किया जाता है । इसका संकुचित अर्थ केवल प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं से संबन्धित है, जिसने हस्तकला और शिल्प को विस्थापित किया है । जबकि विस्तृत अर्थ में यह शब्द सभी पदार्थों के साथ होनेवाली सभी प्रक्रियाओं का द्योतक है । वास्तव में देखा जाए तो प्रौद्योगिकी का ज्ञान व्यावहारिक ज्ञान है, जिसे अर्जित करना पड़ता है । आवश्यक प्रशिक्षण पाकर अक्सर सीखना पड़ता है । जो विशिष्ट सैद्धांतिक ज्ञान हम अर्जित करते हैं, उसे व्यावहारिक ज्ञान में तब्दील करना होता है । इसीलिए कहा गया है कि "In this broader sense technology may be defined as application of knowledge."[1]

अतः प्रौद्योगिकी या Technology शब्द ज्ञान की एक शाखा है । वह यांत्रिक

---

1. www.google search

कला का विज्ञान है । प्रौद्योगिकी एक कला है । यहाँ उद्योग की ध्वनि भी व्यक्त है। अर्थात् वह शब्द विज्ञान (Science), कला (Art) तथा अभियांत्रिकी (Engineering) से जुडा हुआ शब्द है ।

आज मानव का जीवन प्रौद्योगिकी से भरा है । अर्थात् दैनिक जीवन में मनुष्य छोटे-छोटे और बडे-बडे यंत्रों का उपयोग करते हैं, मानव के उपयोगी यंत्रों, संसाधनों, प्रक्रियाओं आदि को प्रौद्योगिकी कहते है । यहाँ सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ व्यक्त है । अर्थात् सूचना, जानकारी, आँकडों के लिए काम आनेवाली सभी उपकरण या पद्धतियों सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत आते है ।

### ४.१.१.२ सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषाएँ

सूचना प्रौद्योगिकी की व्याख्या[1] संक्षिप्त विश्वकोश में 'सूचना प्रौद्योगिकी' को सूचना से संबन्धित माना गया है । इस प्रकार के विचार 'डिक्शनरी ऑफ कंप्यूटिंग' में भी व्यक्त किये गये हैं । मैक मिलन, 'डिक्शनरी ऑफ इनफॉर्मेशन तकनोलॅजी' में 'सूचना प्रौद्योगिकी' को परिभाषित करते हुए यह विचार व्यक्त किया गया है कि कंप्यूटिंग और दूरसंचार के सम्मिश्रण पर आधारित माइगे-इलैक्ट्रॉनिक्स द्वारा मौखिक, चित्रात्मक, मूल-पाठ विषयक और संख्या संबन्धी सूचना अर्जन, संसाधन (प्रोसेसिंग), भण्डारण और प्रसार है ।

डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी ने सूचना प्रौद्योगिकी के लिए सूचना तकनीकी शब्द को परिभाषित करते हुए लिखा है – "सूचना, तकनीकी (प्रौद्योगिकी) का किसी भी उद्देश्य के लिए

---

1. www.google search -- Definition of Information Technology

इस्तेमाल किये जाये वह वस्तुतः उपकरण तकनीकी है । यह सूचनाओं को अमूर्त संसाधन के रूप में मथती है । यह हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों पर आश्रित है । इसमें उन तत्वों का समावेश भी है जो हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के रूपान्तर है ।"

Definition adopted by UNESCO -- The Scientific, Technological and engineering disciplines and the management techniques used in information handling and processing, their applications, computers and their interaction with men and mechines, and associated social, economic and cultural matters (quoted by Raitt, 1982). It means Information Technology is new technology applied to the creation, storage, selection, transformation and distribution of information of various kinds.

सूचना प्रौद्योगिकी के संदर्भ हम जब सूचना शब्द का प्रयोग करते हैं तब यह एक तकनीकी पारिभाषिक शब्द होता है । वहाँ सूचना के संदर्भ में आँकडा (Data), प्रज्ञा विवेक, बुद्धिमत्ता (wisdom) आदि शब्दों का भी प्रयोग मिलता है । प्रौद्योगिकी ज्ञान की एक ऐसी शाखा है इसका सरोकार यांत्रिकीय कला अथवा प्रयोजनपरक विज्ञान अथवा इन दोनों के समन्वय रूप से है । सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत वे सब उपकरण एवं पद्धतियाँ सम्मिलित है जो सूचना के संचालन में काम आते हैं । यदि इनकी एक संक्षिप्त परिभाषा देनी है तो कहेगे – "सूचना प्रौद्योगिकी एक ऐसा अनुशासन है जिसमें सूचना का संचार अथवा आदान-प्रदान त्वरित गति से दूरस्थ समाजों में विभिन्न तरह के साधनों तथा संसाधनों के माध्यम से सफलता पूर्वक किया जाता है ।"

### ४.१.१.३ सूचना प्रौद्योगिकी से लाभ

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए कोई

कठिनाई नहीं । एक महत्वपूर्ण कंप्यूटेशनल घटना के रूप में 'इंटरनेट' हमारे दैनिक जीवन में जुडी हुई है । सूचना के महत्व तथा कंप्यूटर के द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के संसाधन से हम सब भलीभाँति परिचित है। 'इंटरनेट' के कारण आज हर प्रकार की सूचना संचार संभव हो गया है । सूचनाओं का एक विशाल समुद्र है 'इंटरनेट' । वह दैनिक जीवन में बहुत लाभदायक भी है कि इसके बिना ज़िन्दगी में रुकावट बनेगा ।

### ४.१.२ सूचना प्रौद्योगिकी एवं हिन्दी

हिन्दी भाषा से वर्तमान स्वरूप तक परिणत होने में सदियाँ लग गई हैं, और कई पीढियों से गुज़रना पडा है । डॉ. विश्वनाथ अय्यर कहते हैं कि – "भाषाएँ विकास के विविध युगों को पारकर वर्तमान रूप धारण कर चुकी है ।" अभी हमारे समाज में सब कहीं टेकनॉलजी का अनुप्रयोग हो रहा है । वह हमारे निजी सामाजिक और व्यावहारिक जीवन से संबन्ध स्थापित कर लिया है । भाषा का अनुप्रयोग सूचना प्रौद्योगिकी के ज़रिए जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है । हिन्दी हमारी जन भाषा है । आज सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से जीवन की हर गति-विधि के साथ जुडने में हिन्दी समर्थ हो गई है । अर्थात् एक संगणकीय भाषा के रूप में हिन्दी का विकास हुआ है । आज गली-गली में इन्टरनेट फैल गया है । रेलवे, बैंक, बीमा और अन्य कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना कुछ नहीं चलता है । समाज के हर क्षेत्र में कंप्यूटर से कार्य चल रहा है । स्पष्ट है कि कंप्यूटर से काम और नौकरी के अवसर बढते हैं, काम में सुविधा होती है और घंटों तक किए जानेवाले काम मिनटों में पूरे हो जाते हैं । हर भाषा में कंप्यूटर की सुविधाएँ उपलब्ध हैं । लेकिन आम जनता की भाषा की दृष्टि से हिन्दी की भूमिका महत्वपूर्ण है ।

### ४.१.३ आम जनता के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

भारत में वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के परिप्रेक्ष्य में यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि यदि आम लोगों को इस सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ पहुँचना है तो इसे भारतीय भाषाओं में सुलभ कराना आवश्यक है । आज भारत में अधिकाधिक लोग प्रौद्योगिकी से जुडे कामों में कार्यरत है । हमारे कामकाजों में कंप्यूटरों के बिना कार्य नहीं चलेगा, ऐसी स्थिति आ गई है । आज कंप्यूटर टेक्नोलॉजी सूचना संसाधन और संप्रेषण इंजीनियरी की सबसे ज़्यादा कारगर टेकनोलॉजी सिद्ध हो रही है । आम लोगों के जीवन तक प्रौद्योगिकी का प्रभाव है । कल के उद्योग आज प्रौद्योगिकी से जुड़ गया है । सूचना प्रौद्योगिकी आज आगे की आगे ओर बढ़ रहा है, क्योंकि समाज में मानव के लिए जो कुछ चाहिए वह सभी बातों की जानकारी उससे मिलते है । अब तीव्र गति से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित नए उपकरण, नई नई संकल्पनाएँ और नई व्याख्याएँ सामने आ रही है । इन्टरनेट इसका एक मूल उपकरण है । इसके द्वारा मानव को छोटे-छोटे तथा बडे-बडे कार्य सभी व्यक्तियों को, अन्य स्थानों पर सूचना देने में सहायक होती है। इच्छित सूचना उपलब्ध हो जाने से अपने व्यावसायिक, सामाजिक और वाणिज्यक कार्यकलापों में वृद्धि कर सकते हैं और अपना जीवन स्तर ऊँचा कर सकते हैं । अतः सूचना प्रौद्योगिकी जनकल्याण के लिए है ।

### ४.१.४ सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयाम

शताब्दियों के बाद पहली बार समाज में या जन जीवन में एक ऐसी टेक्नोलॉजी का उत्भव हुआ है, वह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में अर्थात् सामाजिक और व्यावहारिक जीवन में प्रवेश पा चुका है । पिछले कुछ दशकों से सूचना प्रौद्योगिकी दैनिक जीवन में परिवर्तन कर

रहा है । इस दिशा में भारत में जो उन्नति हुई है वह अन्य देशों की तुलना में विशेषत: एशियाई देश, अधिक महत्वपूर्ण है । आज सूचना प्रौद्योगिकी ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अद्‌भुत उपलब्धियाँ प्राप्त हो चुकी है और प्राप्त हो रहा है ।

सूचना प्रौद्योगिकी शब्द आज 'आई.टी' के नाम से प्रचलित हो गया है । 'भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान' की स्थापना हैदराबाद में हुई है । अन्य कई स्थानों पर सूचना प्रौद्योगिकी के संस्थानों की स्थापना की जा रही है । आज कंप्यूटर टेक्नोलॉजी सूचना संसाधन और संप्रेषण इंजीनियरी की सबसे ज़्यादा कारगर टेक्नोलॉजी सिद्ध हो रही है । आज कंप्यूटर टैक्नोलॉजी से जितनी बड़ी क्रांति हमारे सामाजिक या व्यावहारिक जीवन में आई उससे कहीं बडी क्रांति सूचना प्रौद्योगिकी से आई है ।

'सूचना प्रौद्योगिकी' शब्द कानों में गुंजते ही विभिन्न वर्ग के लोग सामने उपस्थित हो जाते हैं । जहाँ प्रशिक्षित युवा पीढी इसे विदेश जाने का अवसर समझती है, वहीं बेरोज़गार युवा इसे रोजगार प्राप्ति का साधन समझते हैं । गत शताब्दी के अंतिम दशकों में सूचना एवं संचार के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति के कारण उद्‌भुत सूचना प्रौद्योगिकी नामक विशिष्ट क्षेत्र आज विश्व में अपना जाल फैला चुका है । विश्व का अधिकांश भाग सूचना और सूचना प्रौद्योगिकी की पकड में आ चुका है । सूचना प्रौद्योगिकी की विभिन्न रूपों ने हमारे लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं । स्थिति यह बन चुकी है कि सूचना प्रौद्योगिकी के अभाव में विकास की संभावनाएँ धूमिल हो चुकी है । सूचना-प्रौद्योगिकी जन्य इस सूचना क्रांति ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में आगे बढाकर प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया है । दैनिक कार्य प्रणाली से लेकर स्वास्थ्य-चिकित्सा, कृषि, बैंकिंग, वाणिज्य-व्यापार, शिक्षा आदि विविध क्षेत्रों

में सूचना प्रौद्योगिकी व्यापक परिवर्तन प्राप्त की जा रही है । समाज के सभी श्रेणी से लेकर साधारण लोगों तक इस ओर आकृष्ट हुआ है । इलैक्ट्रॉनिक वाणिज्य से संबन्धित 'ई-कॉमर्स', कंप्यूटर द्वारा डाक प्रक्रिया संबन्धी 'ई-मेल', चिकित्सा संबन्धी 'ई-मेडिसिन', ऑनलाइन शिक्षा और अधिगम संबन्धी 'ई-एज्यूकेशन', ऑनलाइन सरकारी प्रचालन विषयक 'ई-गार्वेंस', 'ई-बैंकिंग', साधारण मुद्राओं के स्थान पर 'ई-कैश', ई-शॉपिंग, आँकडों का प्रबन्धन, सूचना की पुनः प्राप्ति आदि के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी ने वाणिज्य-व्यापार आदि जीवन के अनेकानेक क्षेत्रों में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है ।

### ४.१.५ सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयुक्त हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली

Information Technology का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है सूचना प्रौद्योगिकी । सूचना प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास के साथ-साथ हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का विकास भी हो रहा है ।

भारत में भी सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व को समझा गया, और जनता के बीच सूचना प्रौद्योगिकी के बिना कुछ नहीं चलता, तथा विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों का अनुसन्धान करके विकास की गति को अपेक्षाकृत तीव्र किया गया । वास्तव में सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं को अधिक उन्नत बनाने के विभिन्न प्रयास सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा कर रहे हैं । आज हमारा जीवन बिलकुल बदल गया है, यह बदलाव छोटे बच्चे तक दिखाई देती है । यह बदलाव का कारण सूचना प्रौद्योगिकी है । अर्थात् निरंतर बदलाव में सूचना प्रौद्योगिकी की अहम् भूमिका है । यह शब्द कोने कोने में मुखरित है ।

सूचना प्रौद्योगिकी शब्द संग्रह में विभिन्न संकल्पनाओं के लिए लोकप्रिय शब्दों को अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली के यथावत अपना लिया गया है । जहाँ जहाँ हिन्दी पर्याय के तत्काल चलन की संभावना कम दिखाई दी है, वहाँ हिन्दी पर्यायों के साथ साथ मौजूदा प्रचलित अंग्रेज़ी रूप भी दे दिए गए है । अभी जनता के बीच विभिन्न परिचालक प्रणालियों के लिए अंग्रेज़ी शब्दावली का प्रयोग हो रहा है । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| Access | – | एकसेस |
| Excel | – | एकसेल |
| Pearl | – | पर्ल |
| Microsoft Office | – | माइक्रोसोफ्ट ऑफिस |
| SAP | – | सैप |
| Linux | – | लिनक्स |
| X-Window | – | एक्स-विंडो |

आगे और कुछ भिन्न प्रणालियाँ या शब्द देखिए –

| | | |
|---|---|---|
| Wizard | – | विजार्ड |
| Google | – | गूगिल |
| Chrome | – | च्रोमे |
| You Tube | – | यू-टूब |
| Hangouts | – | हाञ्औट्स |
| Email | – | ई-मेल |
| Whatsup | – | वाड्सअप |
| Chat on | – | चाट्ट ऑण |
| Face book | – | फेस बुक आदि । |

इन्टरनेट संबन्धी तथा कंप्यूटर संबन्धी शब्द अधिकतर अंग्रेज़ी में प्रयोग करते है । लेकिन हिन्दी में उचित शब्दावली भी हे । उदा :-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Software | – | सोफ्टवेयर | – | प्रक्रिया सामग्री |
| Hardware | – | हार्डवेयर | – | यंत्र सामग्री |
| Operating System | – | ओपरेट्टिङ सिस्टम | – | परिचालन प्रणाली |
| Network | – | नेटवर्क | – | जालक्रम |
| Internet | – | इन्टरनेट | – | अन्तरजाल |
| Virus | – | वायरस | – | विषाणु |
| Zoom in | – | ज़ूम इन | – | आकारवर्धन |
| Analog | – | एनालॉग | – | अनुरूप |
| Back up | – | बैक-अप | – | पूर्तिकर |
| Browser | – | ब्राउज़र | – | विचरक |
| Bar menu | – | बार मेनू | – | स्तंभ प्रसूची |
| Menu | – | मेनू | – | सूचि |
| Memory | – | मेमोरी | – | स्मृति |
| Programme | – | प्रोग्राम | – | क्रमादेश |
| Server | – | सर्वर | – | परिसेवक |
| Keyboard | – | की बोर्ड | – | कुंजीपटल |
| Printer | – | प्रिंटर | – | मुद्रक |
| Error | – | इरर | – | त्रुटि |
| Data Processing | – | डाटा प्रोसेसिंग | – | डाटा संसाधन |
| Card Reader | – | कार्ड रीडर | – | कार्ड पाठक |
| Computer | – | कंप्यूटर | – | संगगणक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Memory Guard | – | मेमोरी गार्ड | – | स्मृति सुरक्ष |
| Delete | – | डिलीट | – | विलोप |
| Disc | – | डिस्क | – | वृत्त |
| Monitor | – | मोणिट्टर | – | प्रपट्ट |
| Save | – | सेव | – | संचित रख्यो |
| Refresh | – | रीफ्रष | – | पुनः दर्शाओ |
| Cancel | – | कॉनसल | – | निरसन |

उपर्युक्त अंग्रेज़ी शब्दों का इतना काफी प्रचार हो चुका है कि एकदम उसके बदले हिन्दी शब्दों का प्रयोग आसान नहीं है । नई पीढी के उपयोग कर्ताओं को यथासमय, यथासंभव हिन्दी शब्दों से परिचित कराने का प्रयास की जाए तो हिन्दी के पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग एवं प्रचार इस क्षेत्र में व्यापक हो जाएगा ।

स्वतंत्र देश की अपनी निजी भाषा में पारिभाषिक शब्दों का महत्व एवं उपयोगिता और अधिक हो जाता है, क्योंकि शासन संबन्धी सभी कार्य उसकी अपनी भाषा में होते है । इस दृष्टि से हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली का महत्व बहुत अधिक है । लेकिन अंग्रेज़ी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है । उसके बराबर पारिभाषिक शब्दावली हिन्दी में होने के बावजूद उसका प्रचार उतना नहीं हुआ है । सूचना प्रौद्योगिकी से संबन्धित अधिकतर अंग्रेज़ी शब्द हिन्दी में उसी प्रकार ही इस्तेमाल करते है । लेकिन हिन्दी शब्दों का प्रचार, प्रसार तथा प्रयोग भी कम नहीं है । उदाहरण तो देखिए –

| | | |
|---|---|---|
| अनुरूप संगणक | – | Anolog Computer |
| संकेत | – | Code |
| तंत्रिक केन्द्र | – | Control section |

| | | |
|---|---|---|
| कोड स्मृति | – | Code memory |
| केन्द्रीय संसाधक | – | Central Processor |
| आँकडा | – | Data |
| ऑकडा संसाधन | – | Data processing |
| साधन | – | Device |
| डिजिटल विभाजना | – | Digital divide |
| अधार फलक | – | Disc |
| आंकिक संगणक | – | Digital Computer |
| शब्द संसाधन | – | Word Processing |

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आवश्यकतानुसार नये शब्द गढने भी पड़ते है। क्योंकि सूचना प्रौद्योगिकी उत्तरोत्तर विकास की गति में है, और पारिभाषिक शब्दों की आवश्यकता बढती जा रही है । यहाँ प्रो. हाइजनबर्ग का कथन उल्लेखनीय है कि – वैज्ञानिक ज्ञान के प्रचार के साथ-साथ भाषा भी विस्तृत होती जाती है । इसमें नये-नये शब्दों का प्रवेश होता जाता है तथा पुराने शब्द अधिक व्यापक क्षेत्र में प्रयुक्त होने लगते हैं । वैज्ञानिक गोष्ठियों में परस्पर विचारों के आदान-प्रदान में, वैज्ञानिकों को अपने विचारों और संकल्पनाओं को प्रकट करने के लिए निश्चित अर्थ देनेवाले और तर्क संगत शब्दों की आवश्यकता होती है ।

कंप्यूटर टेकनोलॉजी का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है । कंप्यूटर और भाषा के बीच दृढ़ संबन्ध है । भाषा अपने कुछ प्रयोजनों के लिए कंप्यूटर का उपयोग उपकरण के रूप में करती है । कंप्यूटर का इस्तेमाल कर हम कई भाषा आधारित कार्यों को अधिक सक्षम ढंग से और बहुत ही कम समय में संपन्न कर सकते हैं, जैसे मुद्रण, टंकण, कोश-निर्माण, भाषा शिक्षण, सूचना संचयन और संपादन आदि ।

हिन्दी के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी कार्य हो रहा है । प्रस्तुत क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी से जुडे हुए पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग चल रहा है । भाषा में ऐसे पारिभाषिक शब्द स्पष्ट, दृढ और सरल होना चाहिए ।

विकास के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी एक नवीन विषय है । सूचना प्रौद्योगिकी शब्द संग्रह में अधिकांश शब्द यौगिक है जो दो या दो से अधिक सार्थक शब्द खण्डों में संधि करके बनाये गये है । देवनागरी लिपि में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास हो रहा है । कंप्यूटर के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द अभी अधिकाधिक उपलब्ध है । कंप्यूटर प्रौद्योगिकी में हिन्दी भाषा का इस्तेमाल करना आज कठिन कार्य नहीं है । कंप्यूटर या इन्टरनेट के लिए सामग्री का विकास करते समय चयन, प्रस्तुतीकरण और भाषा शैली आदि तीन बातें ध्यान देना ज़रूरी है । यहाँ पारिभाषिक शब्दावली की ज़रूरत पडता है । क्योंकि बेबसाईट का उपयोग करते समय अत्यंत सुबोध, आकर्षण तथा जटिल भाषा शेली की आवश्यकता है । नहीं है तो बेबसाईट छोडकर लोग जाने की संभावना है । इसलिए कहा जा सकता है कि सूचना प्रौद्योगिकी में भाषा का स्थान महत्वपूर्ण है । हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण विशेषज्ञों, संस्थाओं द्वारा चल रहा है । हिन्दी भाषा में लोग ई-मेल (E-mail) भेजती है, चैट (chat), ई-बैंकिंग (E-Banking), ई-वाणिज्य (E-Commercial), ई-प्रशासन कार्य (E-Administration) भी सुचारू ढंग से करते है । Password, online, on, off, website, network आदि शब्दों का प्रयोग अंग्रेज़ी में ही करते हैं ।

अंग्रेज़ी शब्द Refresh हिन्दी में इसे पुनः दर्शओ या तरोताजा करना (make cool again) कहता है । इसका भिन्न प्रयोग है । उदा :-

Refresher – पुनर्बोधक, पुनश्चर्या

| | | |
|---|---|---|
| Refresher training | – | पुनश्चर्या प्रशिक्षण |
| Refreshment | – | जलपान, विश्रांति |

कंप्यूटर की पारिभाषिक शब्दावली आज सुलभ है । उदाहरण देखिए –

| | | |
|---|---|---|
| Access time | – | अभिगम्यताकाल |
| Alphanumric | – | अकांक्षरीय |
| Anolog Computer | – | अनुरूप संगणक |
| Binary | – | द्वि-आधारी |
| Central Processor | – | केन्द्रीय संसाधक |
| Chip | – | चिप्पड |
| Compile | – | संकलन |
| Compiler | – | संकलन कर्ता |
| Debug | – | डिबग |
| Digital Computer | – | अंकिक संगणक |
| Error | – | त्रुटि |
| Hard Copy | – | कठोर प्रति |
| Impact Printer | – | इम्पैक्ट प्रिंटर |
| Storage | – | भण्डारण |
| Magnetic Code Storage | – | चुम्बकीय कोड भण्डार |
| Main frame | – | मैन फ्रेम |
| Memory Unit | – | स्मृति इकाई |
| Primary Memory | – | प्राथमिक स्मृति |

| | | |
|---|---|---|
| Secondary Storage | – | द्वितीय भण्डारण |
| Utility Programme | – | उपयोगिता प्रोग्राम |
| User Interface | – | प्रयोक्ता अंतरापृष्ठ |
| User group | – | प्रयोक्ता समूह |
| Update | – | अद्यतन |
| User | – | प्रोक्ता |
| Upgrade | – | स्तर उन्नयन |
| Verify | – | सत्यायन |
| Voice Messaging | – | ध्वनि सन्देश |
| Volume | – | आयतन |
| Wall Paper | – | पार्श्व चित्र |
| Wireless Communication | – | बेतार-संचार |
| Wizard | – | निपुण |

कार्यालयों में हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं का प्रयोग चला रहा है । मूल भाषा अंग्रेज़ी के समतुल्य हिन्दी शब्दों का प्रयोग बहुत आसानी से समझ में आयेगा । जिन आदि कोशकारों ने इन शब्दों का निर्माण किया था, वे अंग्रेज़ी और हिन्दी – दोनों भाषाओं के प्रकांड विद्वान रहे हैं । वे प्रशासन और अध्यापन दोनों प्रकार से अनुभवी भी रहे हैं । इसी कारण से हिन्दी के कई साहित्यकारों और आचार्यों को शब्दावली की निर्माण समितियों में सदस्य बनाकर उनकी सेवाएँ ली गई थी । उन्हीं के योगदान के फलस्वरूप व्यावहारिक और सामाजिक के अनुकूल सभी ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों में अनगणित पारिभाषिक शब्दों का निर्माण हुआ ।

## ४.२ जनसंचार माध्यम

विभिन्न समाचारों, सूचनाओं और विचारों आदि को जनसाधारण तक पहुँचाने में सहायक माध्यम है जन संचार माध्यम । इसके अंतर्गत पत्र-पत्रिकाएँ, आकाशवाणी, दूरदर्शन, दूरभाषा, फिल्म, पत्रक, समाचार पत्र, पोस्टर, कंप्यूटर तथा संचार संप्रेषण के सभी साधन आदि आते हैं । आज के वैज्ञानिक युग में जनसंचार के उपर्युक्त माध्यमों का विकास हुआ है । जनसंचार का उचित उपयोग या प्रयोग आज अनिवार्य होता है । संचार (communication) व्यक्ति तथा समाज की सहज प्रवृत्ति है । इसके बिना सामाजिक जीवन में स्थिरता असंभव है।

अपनी इच्छाओं, भावों, विचारों का आदान-प्रदान आदिम युग से हो रहा है । आरंभ में हावभाव, संकेत-चिह्न आदि के द्वारा यह संचार क्रिया हुआ करती थी । भाषा का आविष्कार तथा सांस्कृतिक विकास के साथ यह क्रिया विभिन्न रूपों में तथा प्रभावी ढंग से प्रकट होती रही है । एक विशिष्ट संस्थान के व्यक्तियों में तथ्य, आदर्श, भावों, विचारों के द्विपक्षीय आदान-प्रदान की यह क्रिया समाचार-पत्र, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के आविष्कार और प्रसार के साथ अपने उद्देश्य तथा व्याप्ति के धरातल पर विस्तृत होती गई । संचार का यह विकसित-विस्तृत रूप है जन संचार । यहाँ स्पष्ट भाषा की आवश्यकता है, पारिभाषिक शब्दों की अनिवार्यता है । जन-संचार माध्यम के अंतर्गत अनेक प्रकार के पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग चल रहा है ।

### ४.२.१ जनसंचार माध्यम का स्वरूप

जनसंचार अंग्रेज़ी में Mass Communication कहते है । वह काफी पुरानी है । संचार जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है । वह दो व्यक्ति या समूह के बीच संचरित होता है।

वस्तुतः संचार एक सहज प्रवृत्ति है । संक्षेप में कहे तो जनसंचार माध्यम आज सभी के लिए मूलभूत सामाजिक और व्यावहारिक आवश्यकता बन गयी है ।

### ४.२.१.१ जनसंचार का अर्थ

संचार शब्द का अर्थ है[1] गति, गमन, यात्रा, वह सम् +चर् +घञ् से बने है । संचार शब्द के लिए लेटिन भाषा में कम्युनिस (communis) शब्द का प्रयोग होता है । इस शब्द का अर्थ होता है – "किसी वस्तु या विषय का सबके लिए साझा होना ।" Communis शब्द ही अंग्रेज़ी भाषा में communication बना । संस्कृत में संचार के लिए 'चर' धातु का प्रयोग होता है । 'चर' का अभिप्राय है – 'चलना', 'आगे बढ़ना', 'फैलाना' । इधर, communication शब्द का अर्थ होता है – वह प्रक्रिया जिसके द्वारा किसी भाव, विचार या जानकारी को हम दूसरों तक पहुँचाते हैं । इसे अंग्रेज़ी में Mass Communication कहते हैं ।

### ४.२.१.२ परिभाषाएँ

विभिन्न विद्वानों ने संचार के लिए कुछ परिभाषाएँ दी गयी हैं । वे इस प्रकार हैं –

(क) डॉ. जेम्स, एस. मूर्ति का कहना है कि, "संचार का अभिप्राय अपने भाव, विचार या संदेश की उस अभिव्यक्ति, आदान-प्रदान या संप्रेषण से है, जो प्राप्तकर्ता में प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं ।"[2]

---

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय - पृ. ३०१-३०२
2. दृश्य-श्रव्य संप्रेषण और पत्रकारिता - डॉ. जेम्स, एस. मूर्ति - पृ. ९

(ख) पत्रकार प्रेम विज संचार को रूपायित करते हुए लिखते हैं कि "संचार का अर्थ विचारों और संदेशों को जनता तक पहुँचाना हैं ।"[1]

(ग) डॉ. हर्षदेव के अनुसार, "संचार इस विश्व का ऐसा सत्य है, जो प्राणी मात्र ही नहीं, पेड-पौधों में भी विद्यमान हैं ।"[2]

(घ) थ्यू हेमैन का विचार है कि "Communication means the process of passing information and understanding from one person to another" अर्थात् "संचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को सूचनाएँ एवं समझ हस्तान्तरित करने की प्रक्रिया है ।"[3]

कैलाशनाथ पाण्डेय का विचार हैं कि "संचार एक व्यक्ति के मस्तिष्क को दूसरे व्यक्ति के मस्तिष्क से जोड़ने वाला पुल है । इसके भीतर कहने, सुनने तथा समझने की एक व्यवस्थित एवं अनवरत प्रक्रिया सम्मिलित है ।"[4]

### ४.२.२ जनसंचार माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग

आज के निजीकरण, बहुराष्ट्रीयकरण और बाज़ारीकरण के दौर में हिन्दी भाषा संचार संदेश की मुख्य भाषा बनने में सफल है । लेकिन हिन्दी भाषा के इतिहास से हमें यह समझेगा कि हिन्दी में संप्रेषण का सिलसिला बहुत ही पुराना है । आज यह संचार की भाषा है, संवाद की भाषा है, बाज़ार की भाषा है, मीडिया की भाषा है, संपर्क की भाषा है । यह सच है

---

1. जनसंचार - (सं) डॉ. राधेश्याम शर्मा (प्रेम विज का लेख) - पृ. १४०
2. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक - डॉ. हर्षदेव - पृ. ११
3. Reporting - Theo Haiman - Rinehart and Wiston Inc. New York - P. 81
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय - पृ. ३०४-३०५

कि भाषा के बिना जनसंचार का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता । समय के साथ-साथ जनसंचार माध्यमों के रूप में परिवर्तन हो रहा है । इसलिए जनसंचार के सभी संसाधनों के लिए हर युग में किसी न किसी भाषा का उपयोग अनिवार्यतः होता आया है ।

हिन्दी भाषा संचार भाषा के रूप में बहुत प्राचीन से ही पर्याप्त मात्रा में उचित ढंग से कार्य कर रहा है । समाचार पत्र, हिन्दी सिनेमा द्वारा हिन्दी की प्रयोग जनसंचार के माध्यम के क्षेत्र में फैल रहा है । कुछ पारिभाषिक शब्द इस प्रकार है –

| | | |
|---|---|---|
| Call letter | – | मांग पत्र |
| Agreement | – | समझौता |
| Demand bill | – | मांग की हुंडी |
| Goods | – | माल |
| Amendment | – | संशोधन |
| Cash | – | रोकड |
| Category | – | श्रेणी, वर्ग |
| Certificate | – | प्रमाण पत्र |
| Commercial | – | व्यावसायिक |
| Committee | – | समिति |
| Communication | – | संप्रेषण |
| Cost price | – | लागत मूल्य |
| Date | – | दिनांक, तारीख |
| Dated | – | दिनांकित |
| Delivery | – | वितरण |
| Due date | – | नियत तिथि |
| Editor | – | संपादक |

| | | |
|---|---|---|
| Explanation | – | स्पष्टीकरण |
| Fair price | – | उचित मूल्य |
| List | – | सूची |
| Most urgent | – | अत्यावश्यक |
| Publicity | – | प्रचार |

माध्यमों के विकास के इस युग में हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का महत्वपूर्ण स्थान है । नये-नये शब्दों का विकास, प्रयोग, नये शब्दों का निर्माण आदि कार्य भी महत्वपूर्ण है । उपर्युक्त शब्दों का प्रयोग प्रसार करना अनिवार्य है, क्योंकि माध्यमों के प्रचार कार्य में आज अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग देखा जा सकता है ।

### ४.२.३ हिन्दी पारिभाषिक शब्द और जनसंचार माध्यम

सामान्यतः जनसंचार माध्यम तीन शब्दों के योग से बना है –पहला शब्द है जन, दूसरा संचार और तीसरा शब्द माध्यम । जन का अर्थ है जनता । सामान्य भागीदारीयुक्त सूचना और संप्रेषण है संचार शब्द । संचार भावों या विचारों को बाँटने और प्राप्त करने की प्रक्रिया है । यह एक ऐसा प्रयास है जिसके द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के विचारों, भावों और मनोवृत्तियों में सहभागी होता है । माध्यम शब्द का अर्थ है उपकरण या साधन । अतएवं जनसंचार माध्यम का सामान्य अर्थ है जनता के भावों या विचारों को संप्रेषित करने वाला साधन या उपकरण । दूसरे शब्दों में यह साधन जो जनता के विचारों के आदान-प्रदान में सहायक सिद्ध होता है वह जनसंचार माध्यम कहलाता है । जन साधारण तक संदेश पहुँचाने के लिए भाषा की प्रधानता है । वह भाषा साधारण से भिन्न होकर पारिभाषिक हो । ऐसे कुछ शब्द है –

| | | |
|---|---|---|
| Publicity | – | प्रचार |

| | | |
|---|---|---|
| Signature | – | हस्ताक्षर |
| Summary | – | सारांश |
| Translator | – | अनुवादक |
| Code | – | संहिता |
| Enquiry | – | पूछताछ |
| Immediate | – | अविलम्ब |
| Mobilisation | – | संग्रहण |
| Transaction | – | लेन-देन |

जनसंचार माध्यम के अंतर्गत अनेक बातें आते हैं । इन सभी बातों में मानव का जीवन प्रभावित करता है । प्रस्तुत क्षेत्र में पारिभाषिक शब्दावली की प्रस्तुति उल्लेखनीय है ।

हिन्दी के शब्द 'जनसंचार माध्यम' के लिए अंग्रेज़ी में बहुप्रचलित शब्द है Mass Communication । समाज के हर बातें प्रकट करने के लिए प्रयुक्त माध्यम है जनसंचार माध्यम । मानव के बीच संबन्ध रखने के लिए भाषा महत्वपूर्ण है । यहाँ पारिभाषिक शब्दावली की सार्थकता होती है। आज इलेक्ट्रानिक माध्यम से हिन्दी को बाज़ार की, संचार-संदेश की मुख्य भाषा बनाने में पारिभाषिक शब्दावली का योगदान महत्वपूर्ण है लेकिन हिन्दी भाषा के इतिहास में हिन्दी संप्रेषण का माध्यम बहुत पुराना है । हिन्दी आज अपनी दृष्टि से सभी माध्यमों के लिए उन्नत और मदद करनेवाली भाषा है । वास्तव में यह संचार की भाषा है । अर्थात् हिन्दी संवाद की भाषा है बाज़ार की भाषा है और मीडिया की भाषा है । ऐसी संपर्क भाषा के बिना जनसंचार का क्षेत्र धीमी हो जायेगा । उन क्षेत्रों में संचार के लिए पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग करना आवश्यक है । क्योंकि माध्यमों के क्षेत्र में सरल, दृढ भाषा की अनिवार्यता है । माध्यम

के क्षेत्र में उपयोग करनेवाली हिन्दी पारिभाषिक शब्द सुलभ है लेकिन प्रयोग करनेवाले लोग आसानी से अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग करते हैं । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| News | – | समाचार |
| Report | – | प्रतिवेदन |
| Market Value | – | बाज़ार मूल्य |
| Bill | – | बिल, विधेयक |
| Block | – | खण्ड |

वास्तव में हिन्दी भाषा बहुत पुराने में भी जन संचार माध्यमों के क्षेत्र में अपना नाम बना लिया था । सूचना तकनीकी की इस दौर में हिन्दी को सशक्त संचार भाषा के रूप में नया रूप मिला है । इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यमों के विकास भाषा के बिना नहीं की जा सकती । इस दृष्टि से भाषा का विकास भी संचार माध्यमों के विकास के साथ होता चलता है, तब नये-नये शब्दों का उत्भव भी होगा । जनसंचार माध्यमों के अंतर्गत आनेवाली समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, इन्टरनेट आदि सभी संचार माध्यमों ने हिन्दी को जन संचार भाषा का रूप दिया है ।

### ४.२.४ जनसंचार माध्यम का क्षेत्र

जनसंचार के अंतर्गत अनेक माध्यमों का हेलमेल है । जनसंचार के इन समस्त माध्यमों का मुख्यत: तीन विभागों में बाँटा जा सकता है । वह इस प्रकार है ।

(क) शब्द संचार माध्यम (Print Media )

(ख) श्रव्य संचार माध्यम (Audio Media)

(ग) दृश्य संचार माध्यम (Video Media)

इन तीनों के अन्तर्गत भिन्न भिन्न माध्यमों का चयन है ।

***(क) शब्द संचार माध्यम***

इसे मुद्रण माध्यम (Print Media) भी कहलाता है । इसके अन्तर्गत समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ, जर्नल, पोस्टर और पुस्तकें आदि आते हैं ।

***(ख) श्रव्य संचार माध्यम***

अंग्रेज़ी में इसे Audio Media कहता है । इसके अंतर्गत रेडियो, ओटियो, टेलिफोन, कैसेट, मोबाइल फोन और टेपरिकार्डर आदि आते हैं ।

***(ग) दृश्य संचार माध्यम***

इसे अंग्रेज़ी में Video Media कहता है । इसके अंतर्गत दूरदर्शन, वीडियो, फिल्म, इन्टरनेट तथा कंप्यूटर आदि आते हैं। आज दृश्य माध्यमों के पीछे चलने वाले लोग अधिक है। वर्तमान युग ही दृश्य माध्यमों से निर्भर है । इन सबकी चाल संचयन के लिए भाषा की ज़रूरत है । सरल, सुदृढ, स्पष्ट भाषा के लिए पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता है। यहाँ जनसंचार माध्यमों में पारिभाषिक शब्दावली का महत्व बढ़ रहा है ।

## ४.२.५ जनसंचार माध्यम और हिन्दी

भारत में जनसंचार (Mass Communication) बहुत प्राचीन काल से है । श्री पी.एन. मल्हन[1] ने भारत की संचार व्यवस्था को महर्षि नारद तथा संजय जैसे चरितों से जोड़कर

---

1. Communication Media - Yesterday, Today and Tomorrow - P.N. Malhan - P. 15

मौर्यवंश तथा मध्यकालीन भारत की संचार व्यवस्था का विस्तार से वर्णन किया है । संप्रेषण (Communication) की आवश्यकता मनुष्य को उसी भाँति है, जिस भाँति भोजन और पानी। संप्रेषण एक अत्यन्त व्यापक अवधारणा है, जिसमें मनुष्य द्वारा अभिव्यक्ति के सभी प्रकार के माध्यम - शब्द, चित्र, संगीत, अभिनय, मुद्रण आदि समाहित किए जा सकते हैं ।[1] सच तो यह है कि संचार भी उतना पुराना है, जितना पुराना मानव । संचार जीवन की धूप, हवा, पानी जैसी अनिवार्यता है । चाहे केवल दो व्यक्तियों के बीच हो या व्यक्ति समूहों के बीच – संचार सभी की आवश्यकता है। लोग सदा संचाररत रहते हैं, संचार के लिए भाषा प्रधान कडी है । भाषा के उपयोग करते समय भाषा सरल, दृढ और सीमित अर्थ में हो । पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग यहाँ उचित होता है ।

### ४.२.६ जनसंचार एवं पारिभाषिक शब्द

हिन्दी संचार भाषा के रूप में बहुत पहले से ही प्रयोग किया जा रहा था । सूचना तकनीक से ही हिन्दी को सशक्त संचार भाषा के रूप में नया उभार और रूप मिला है । वस्तुतः इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के विकास की कल्पना भाषा के बिना नहीं की जा सकती । इस दृष्टि से भाषा का विकास भी संचार माध्यमों के विकास के साथ होता चलता है, जिससे नए-नए अर्थ, नई-नई शैलियाँ भाषा के कोष में जुडती है । रेडियो, दूरदर्शन, कंप्यूटर, इन्टरनेट, दूरसंचार, माध्यमों - फैक्स, टेलीफोन, विज्ञापन तथा फिलमों आदि संचार माध्यमों ने हिन्दी को जनसंचार भाषा का नया रूप दिया है । उपर्युक्त शब्दों के लिए बराबर हिन्दी शब्द आज सुलभ

---

1. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम - डॉ. संजीव भानावत - पृ. १५२

है । उदाः-

| | | |
|---|---|---|
| रेडियो | – | आकाशवाणी |
| टेलिविषन | – | दूरदर्शन |
| कंप्यूटर | – | संगणक |
| इन्टरनेट | – | अन्तर्जाल |
| टेलिकम्यूनिकेशन | – | दूरसंचार |
| टेलिफोन | – | दूरभाष |
| फिल्म | – | सिनेमा |

आज जनसंचार भाषा के रूप में हिन्दी घर-घर पहुँची है । एक ओर विज्ञापनों की भाषा के रूप में हिन्दी शब्द का स्वरूप और क्षेत्र अत्यन्त व्यापक हुआ है, हिन्दी की एक निजी शब्दावली और निजी वाक्य संरचना विकसित हुई तो दूसरी ओर देश में डॉट कॉम क्रांति के शुरु होते ही जनसंचार भाषा के रूप में हिन्दी को नया आयाम मिला । इन्टरनेट की भाषा बनते ही कंपनियों की आय बढ़ गई । हिन्दी भी जनसंचार भाषा के रूप में इनकी ज़रूरत बन गयी। रेडिया, दूरदर्शन और दूरसंचार ने भी हिन्दी को प्रभावशाली जनसंचार भाषा का रूप दिया है । हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग इस क्षेत्र में संचालन की सुविधा के लिए सहायक है । ऐसे कुछ शब्द है –

| | | |
|---|---|---|
| परम्परागत जन संचार माध्यम | – | Traditional Mass Media |
| विद्युत संचालित माध्यम | – | Electronic Media |
| संकलन | – | Documentation |
| संप्रेषक | – | Communicator |
| प्रभाव | – | Effect |

| | | |
|---|---|---|
| अवसर | – | Occasion |
| गंतव्य | – | Destination |
| श्रोता | – | Audience |
| भाषण | – | speech |
| चयनित सूचना | – | Selection Information |
| वक्ता | – | Speaker |
| प्रतिपुष्टि | – | Feed back |
| संदेश | – | Message |
| बुनियादी | – | Basic |
| हितग्राही | – | Receiver |
| प्रतिरूप | – | Model |

हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली का महत्वपूर्ण स्थान ही है । डॉ. भोलानाथ तिवारी कहते हैं कि विभिन्न विषयों की अभिव्यक्ति के लिए पारिभाषिक शब्द बडे ही महत्वपूर्ण होते है । जनसंचार के सभी माध्यमों ने विश्व में फैली समस्त मानव जाति जीवन को प्रभावित किया है । जनसंचार के माध्यमों द्वारा जनमत का निर्माण भी सहज संभव होता है । आधुनिक युग में तथा जन-संचार हेतु समाचार-अभिकरणों (News Agencies) का महत्व बडा है । इसके साथ पारिभाषिक शब्दों का महत्व बढ़ रहा है । इससे जुड़ी हुई अनेक शब्द हमें सुलभ है । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| Precis | – | संक्षेपण |
| Expersion | – | विस्तारण |
| Display video unit | – | दृश्यपटल |
| Abstract | – | सार / सारांश |

| | | |
|---|---|---|
| Channel | – | माध्यम / सरणि |
| Direction | – | निदेश / निर्देशन |
| Edition | – | संस्करण |
| Face Value | – | अंकित मूल्य |
| Marketing | – | विपणन |
| www | – | विश्वव्यापी मकडजाल |
| Publication | – | प्रकाशन |
| Report | – | प्रतिवेदन |

जनसंचार के माध्यमों द्वारा उद्देश्य की प्राप्ति में शब्द की अपनी एक अहम् भूमिका होती है । जनसंचार के माध्यमों का संप्रेषण जनसामान्य के लिए होता है । संचार माध्यमों की भाषा में कभी-कभी ऐसे शब्दों का प्रयोग भी होता है जिनसे भाषा की गतिशीलता के साथ साहित्यिक संदर्भ की शब्दावली का प्रयोग होता है । जनसंचार के माध्यम के रूप में हिन्दी का प्रयोग कोई नई बात नहीं है परन्तु स्वतंत्रता के बाद हिन्दी भाषा का प्रयोग राजभाषा तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी आदि के रूप में निरन्तर विकासमान है ।

हिन्दी के पास विभिन्न क्षेत्रों की, ज्ञान-विज्ञान की शब्दावली का जो तैयार भण्डार है, वह कई विसंगतियाँ लिए हुए है । विभिन्न शब्दकोश पारिभाषिक कोषों के माध्यम से तैयार हिन्दी शब्दावली ऐसी नहीं है कि वह संचार माध्यमों के द्वारा प्रस्तुत होनेवाली प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप ग्रहण सके । जनसंचार की भाषा के रूप में हिन्दी अपनी निर्माण की प्रक्रिया में है । जनसंचार के माध्यमों के लिए हिन्दी शब्दावली को विषय के अनुरूप चुनना पड़ता है । अतः अनेक संदर्भों में शब्दावली का स्वरूप भी देखने को मिल जाता है ।

## ४.३ सूचना प्रौद्योगिकी और जनसंचार माध्यमों के क्षेत्रों में प्रयुक्त होनेवाले हिन्दी पारिभाषिक शब्द : एक विश्लेषण

विश्लेषण की सुविधा की दृष्टि से सूचना प्रौद्योगिकी और जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में जिन शब्दों का प्रयोग हो रहा है उनका स्रोत की दृष्टि से वर्गीकरण करना उचित लगता है । क्यांकि हिन्दी पारिभाषिक शब्दों के विकास में संस्कृत, अरबी और फारसी की विशेष भूमिका रही है । अंग्रेज़ी से भी ज़्यादातर शब्दों का ग्रहण किया गया है ।

इन दोनों क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण पारिभाषिक शब्दावली संबन्धी सरकार की नीति जो है इसके आधार पर हुआ है । संस्कृत के तत्सम शब्द के अलावा अंग्रेज़ी शब्दों का लिप्यंकन या लिप्यंतरण करके मुख्यतः सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपयोग हो रहा है । जनसंचार के क्षेत्र में काफी मात्रा में पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग हो रहा है। जनसंचार ज्ञान की एक अद्यतन शाखा है, जो पारिभाषिक शब्दों के बिना आगे नहीं चलता । जनसंचार में प्रकाशन, प्रसारण और संप्रेषण का कार्य होता है । दोनों क्षेत्रों के पारिभाषिक शब्दों का वर्गीकरण स्रोत के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से किया जा सकता है ।

१. संस्कृत से आये शब्द
२. हिन्दी के अपने शब्द
३. अंग्रेज़ी के शब्द
४. अन्य प्रकार के शब्द ।

### ४.३.१ संस्कृत से आये शब्द

सभी भारतीय भाषाओं के शब्दों में एक बडी सीमा तक एकरूपता होती है । इसका कारण या तो भारतीय भाषाओं का स्रोत संस्कृत है या वे संस्कृत से प्रभावित है । हिन्दी

में संस्कृत शब्दों का तत्सम रूप पारिभाषिक शब्दों के रूप में प्रयुक्त होते हैं । उदाहरण देखिए –

| | | |
|---|---|---|
| मंच निर्देशक | – | Floor Manager |
| संस्करण | – | Edition |
| संपादक | – | Editor |
| भेंटवार्ता | – | Interview |
| संवाददाता | – | Correspondent |
| संपादकीय | – | Editorial |
| पत्रकार सम्मेलन | – | Press Conference |
| पत्रकार | – | Journalist |
| चल पत्रकार | – | Mobile Journalist |
| बहुमात्र उत्पादन | – | Mass Production |
| जन-वितरण | – | Mass Distribution |
| मुद्रित शब्द | – | Printed word |

ये शब्द जनसंचार से जुडे हुए परंपरागत शब्द है । उपर्युक्त शब्द, प्रचार एवं अर्थ बोध की दृष्टि से उचित है । जो संस्कृत के शब्द होने के बावजूद हिन्दी सहित प्राय: सभी भारतीय भाषाओं में प्रचलित है । आगे कुछ उदाहरण भी देखिए –

| | | |
|---|---|---|
| संक्षिप्त | – | Abbreviated |
| निरपेक्ष | – | Absolute |
| वास्तविक | – | Actual |
| प्रशासन | – | Administration |
| विनिमय | – | Regulation |

| | | |
|---|---|---|
| सहायक | – | Assistant |
| नियुक्त | – | Appointment |
| मूल्य | – | Value |
| नवधनी | – | Upstart |
| प्रक्रिया | – | Process |
| प्रगति / उन्नति | – | Progress |
| सार | – | Essence |
| अंतराल | – | Interview |
| निरीक्षण | – | Observation |
| संरचना | – | Structure |
| पृष्ठ | – | Page |
| प्रक्रिया सामग्री | – | Software |
| यंत्र सामग्री | – | Hardware |
| परिचालन प्रणाली | – | Operating system |
| शब्द संसाधन | – | Word Processing |
| प्रविधि | – | Technique |
| समर्थन | – | Uphold |

डॉ. रघुवीर ने संस्कृत मूल धातु से कई शब्दों का निर्माण किया । उन्होंने पारिभाषिक शब्द के निर्माण और चयन में संस्कृत को मूलाधार स्रोतीय भाषा माना और संस्कृत शब्दों की उपयोगिता हिन्दी और हिन्दीतर भारतीय भाषाओं के लिए समान रूप से स्वीकृत की। शब्दावली आयोग ने भी यही नीति अपनाई । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| संकलन | – | Compilation |
| प्रेषण | – | Despatch |

अप्रयोग्य – Not applicable

## ४.३.२ हिन्दी के अपने शब्द

इस वर्ग में देशी शब्दों के अलावा अंग्रेज़ी के अनुरूप निर्मित हिन्दी शब्द भी आते हैं । यानी अंग्रेज़ी में जो पारिभाषिक शब्द प्रचलित है, उन्हीं का हिन्दी रूपान्तरण हिन्दी में आ गया है । हिन्दी में पारिभाषिक या कामकाजी शब्दावली की संरचना का आधार प्रधानतया अंग्रेज़ी ही रही है । क्योंकि भारतीय संविधान के प्रावधान के अनुसार अंग्रेज़ी ने सह-राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर, हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों की अर्थ व्यंजनागत संरचना में गणनीय योगदान दिया । अंग्रेज़ी की अर्थसंगत विविधता हिन्दी में भी आई । लेकिन हिन्दी शब्दों के निर्माण में संस्कृत का सहारा लिया गया है ।

देशी शब्द :–

नुक्कड़ (नाटक) – Street (Play)

समाचार – News

समाचार पत्र – Newspaper

अंग्रेज़ी के अनुरूप निर्मित शब्द :–

विज्ञापन – Advertisement

उद्घोषणा – Announcement

विनिवर्तन – Withdrawal

निःशुल्क – Free

विनिमय – Exchange

| | | |
|---|---|---|
| प्रलेखीकरण | – | Documentation |
| समादेश | – | Comment |
| प्राधिकारी | – | Authority |
| अधिनियम | – | Act |
| गतिविधि | – | Activity |
| कार्यवाई | – | Action |
| अनुकूलनीय | – | Adaptable |
| श्रव्य | – | Audible |
| मण्डल | – | Board |
| संक्षिप्त | – | Brief |
| निर्माता | – | Producer |
| समाचार | – | News |
| संपादक मंडल | – | Editorial Board |
| विशेष संवाददाता | – | Special Correspondent |
| धारावाहिक | – | Serial |
| प्रायोजित कार्यक्रम | – | Sponsored programme |
| वर्गीकृत विज्ञापन | – | Classified advertisement |
| स्तम्भ | – | Column |
| समन्वयक | – | Co-ordinator |
| संयोजक | – | Convenor |
| समाचार समिति | – | News Agency |

| | | |
|---|---|---|
| निर्देशन | – | Direction |
| सदस्य | – | Member |
| उपक्रम | – | Undertaking |
| ई-प्रशासन कार्य | – | E-Administration |
| ई-प्रशासन | – | E-Administration |
| ई-वाणिज्य | – | E-Commercial |

हिन्दी के अपने शब्दों का प्रयोग पारिभाषिक शब्दों के रूप में हिन्दी में ही प्रयुक्त होते हैं। अतः सरकार की यह नीति रही कि जिन शब्दों का यदि कोई पर्यायवाची शब्द संस्कृत मेल से न मिले और अन्य भारतीय भाषाओं में वे उसी अर्थ में या प्रचलित रूप में उपलब्ध हो तो ऐसे शब्दों को किसी भी कारण से हिन्दी में अपनाया जाए।

### ४.३.३ अंग्रेज़ी के शब्द

जब हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का अभाव होता है अथवा हिन्दी शब्द की लोकप्रियता कम है, शब्दों की कमी होते है तब हम अंग्रेज़ी शब्दों को लिप्यंकन या लिप्यन्तरण (Transliteration) करके उपयोग करते हैं । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| न्यूज़ ब्यूरो | – | News Bureau |
| ए बी सी | – | ABC |
| ज़ूम | – | Zoom |
| आनिमेषन | – | Animation |
| मॉडेम | – | Modem |
| रेडियो | – | Radio |

ट्राष – Trash

अन्डू – Undo

युनीक्स – Unix

वेब ब्राउज़र – Web Browser

याहू – Yahoo

टेलिफोण – Telephone

मोबइल फोन – Mobile Phone

टेलिविज़न – Television

फैक्स – Fax

ग्राफिक्स – Graphics

डब्बिंग – Dubbing

शूटिंग – Shooting

रिहर्सल – Rehersal

कट – Cut

कमेंटरी – Commentary

मल्टीमीडिया – Multimedia

टेक्स्ट – Text

वीडियो – Video

ओडियो – Audio

न्यूज़ सेंस – News Sense

लॉग बुक – Log book

| | | |
|---|---|---|
| एनाउसर | – | Annoucer |
| डायरेक्टर | – | Director |
| एडिटोरियल पेज | – | Editorial Page |
| एडिटिंग | – | Editing |
| स्टाफर | – | Staffer |
| स्ट्रिंजर | – | Stringer |
| इंटरनेट | – | Internet |
| कंप्यूटर | – | Computer |
| अपलोड | – | Upload |
| बुलेटिन | – | Bulletin |
| डेटाबेस | – | Database |
| लाइन | – | Line |
| ऐडोब | – | Adobe |
| एरीयल | – | Aerial |
| ई-मेल | – | E-mail |

सूचना प्रौद्योगिकी और जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में संस्कृत के अनेक शब्दों को पारिभाषिक शब्द के रूप में स्वीकार किया गया है, किन्तु उन शब्दों का प्रयोग बहुत कम होता है । उन शब्दों के स्थान पर अग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग चलता है । क्योंकि उपयोग की दृष्टि से अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग बहुत लोकप्रिय बन गया है । हिन्दी शब्दों का प्रचार एवं प्रसार इन क्षेत्रों में धीरे धीरे बढने की संभावना है । क्योंकि हिन्दी राजभाषा है, इसी तरह हिन्दी को भी विश्वमान्य

बनाने के उद्देश्य से शब्दावली के निर्माण में अन्य देशों की भाषाओं से भी प्रचलित शब्दों को स्वीकार करने की नीति भारत सरकार के द्वारा अपनाई गई है ।

### ४.३.४ अन्य प्रकार के शब्द

फारसी, अरबी, उर्दु, मराठी, राजस्थानी, हिन्दी और कन्नडआदि प्रमुख भाषाई शब्द इस वर्ग में है । जिनकी शब्दावली का प्रभाव हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली में है । सरकारी आयोग द्वारा राजभाषा हिन्दी को समृद्ध करने के प्रयास में अन्य भाषाओं से भी कई शब्दों का स्वीकार किया है । उदा :-

| | | |
|---|---|---|
| औसत (अरबी) | – | Average |
| अकादमी (अरबी) | – | Academy |
| शाखा (फारसी) | – | Branch |
| अकादमिक (अरबी) | – | Academic |
| वर्तनी (राजस्थानी हिन्दी) | – | Spelling |
| जगह (उर्दु) | – | Place |
| बकाया (अरबी) | – | Arrears |
| रद्द करना (अरबी) | – | Cancel |
| पेशगी (उर्दु) | – | Advance |
| सिफारिश (उर्दु) | – | Recommendation |
| आमदनी (उर्दु) | – | Earnings |
| निवल (कन्नड) | – | Net |

| | | |
|---|---|---|
| सौध (कन्नड) | – | Annex |
| पावती (मराठी) | – | Acknowledgment |
| आवक (मराठी) | – | Inward |
| जावक (मराठी) | – | Outward |

उपर्युक्त शब्दों का प्रचार हिन्दी में है । सरकारी आयोग द्वारा राजभाषा हिन्दी को समृद्ध करने के प्रयास में अन्य भाषाओं से भी कई शब्दों को स्वीकारा गया है ।

संक्षेप में प्रस्तुत चार स्रोतों से हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण जो हुआ है वह बिलकुल वैज्ञानिक एवं सही है । लोकप्रियता की दृष्टि पर ध्यान रखते हुए प्रस्तुत शब्दों का विश्लेषण करने पर संस्कृत शब्दों के प्रचार प्रसार में उतनी तीव्र गति नहीं मिली है जितनी अपेक्षित है । लोकप्रिय अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग व्यावहारिक माना जा सकता है । सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनसंचार माध्यमों के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय शब्दों का प्रयोग सरकारी की नीति के अनुसार अंग्रेज़ी के माध्यम से होता है। अतः इन दोनों क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दों की समस्या उतनी जटिल नहीं।